

५०२७ स. सं.
२००८ वि. सं.
१८६३ शा. सं.
३० सं. १९५१-५२
1951-52

भक्तिसंकीर्ण ५-९१

विक्रये ९००५

रंजी ०७ ५०

माफ: ०५१३

वयनं ९३७

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ
ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ
ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ
ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ
ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ
ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ
ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ
ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ
ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ
ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ
ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ
ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ
ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ
ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ
ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ
ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ
ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ
ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ
ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ
ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ
ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ
ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

विद्यालयः ॥

५४०३

१३०५०

॥ श्री विष्णयसुभाषनम् ॥

श्रीविष्णवे नमः ॥

मच मन्त्रलेख कलिदं मयुगयं विरुवम

मन्त्रमाला कालिदास
मन्त्रमाला कालिदास

मन्त्रि वृत्तं कृपां कृष्यममं गमुं श्रीमन्त्रं
मन्त्रि वृत्तं कृपां कृष्यममं गमुं श्रीमन्त्रं

अंश ५-३२ मीची विज्ञापित
दिनांक : ०३१३ काळगज

मि श्रीमः कः ०३१३ कालग
०३ भंवडा ०११ श्रीकृष्णमिंद

५३ भंवडा ०७१ श्रीकाशिमका
कुलिहत्र भंकिउ राव दिना

०७१३७८७५३ मध'कः

३१.....समीपस्थ पिपरीने
ममकावकापुष्टमकुमवउमु३

पञ्चमः वक्राष्टमः सकुसलः मुनिः
श्रीगणेशाय नमः

ॐ नमः शिवाय ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
ॐ नमः शिवाय ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
ॐ नमः शिवाय ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

ममैल भहाष्टु उष्टु जीउमिन वि १३
मम भहाष्टु सुहम भ वि पडिदं १४

महामहोपाध्याय महामहोपाध्याय महामहोपाध्याय
त्रिपुरा महामहोपाध्याय महामहोपाध्याय महामहोपाध्याय

विद्युत् शक्ति मर्मः : विद्युत् शक्ति
मर्मः १९७३ मर्मः देवः कलियुगा

५ वायु ७३ रुद्रि ०५ माय ०५ वि



सुमनसः शिखरः शिखरः शिखरः शिखरः ॥ सुमनसः शिखरः
कामीनाथ मन्त्रायः मेधा शिखरः शिखरः ॥ सुमनसः शिखरः
सुमनसः शिखरः ॥ सुमनसः शिखरः ॥ सुमनसः शिखरः ॥

मृगयामम ॥ सुखं नृनिर्वाहः
मंवा १००३ उषा मंवा ११ मंवा १२
मंवा १३ मित्रा १४ मंवा १५

मवज १०३० मिनाग २०७१०३
२०७१०३ मिनाग २०७१०३

शुद्धि यकं द्रव्यं १० श्री भूगभूषण
नर शुद्धि यकं द्रव्यं १ कल्प

१३ मन्त्र-१३ मन्त्र यो देवः शुद्ध
मन्त्र-१३ मन्त्र विष्णवे उच्यते

१३५९-१०-२३
वाराणसी मुद्रा विमुक्तवत्तु
रम्य नृपतिं कुरु मंत्र

वसुधैव कुटुम्बकम्
सर्वभूतानि मां भ्रातृन्
सर्वानि मां भ्रातृन्

मिथुन मं. मि. भूभउ मित्र उ. म.
तिः सुखस्य मि. मि. मि. मि.

ॐ: सर्वव्यापि भवति अहंकारात्
महः भावव्यापि भवति अहंकारात्
येन विज्ञाति तं सर्वव्यापि नमः

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

ਸੁਖਮੰਤਰਾਗੁਣ : ਮੇਘ ੦੦ ਆਟੂ ੦੦-ਦ੍ਵਿਜੰ ੧

५०५ ०० ५८० ॥ कृष्णभक्तप्रसादः ॥

अथ ०० मुद्रा ०० ॥ ०० ॥ ०० ॥



६३
 ६४
 ६५
 ६६
 ६७
 ६८
 ६९
 ७०
 ७१
 ७२
 ७३
 ७४
 ७५
 ७६
 ७७
 ७८
 ७९
 ८०
 ८१
 ८२
 ८३
 ८४
 ८५
 ८६
 ८७
 ८८
 ८९
 ९०
 ९१
 ९२
 ९३
 ९४
 ९५
 ९६
 ९७
 ९८
 ९९
 १००

मंज १०३ मंज १०४
 मंज १०५ मंज १०६
 मंज १०७ मंज १०८
 मंज १०९ मंज ११०
 मंज १११ मंज ११२
 मंज ११३ मंज ११४
 मंज ११५ मंज ११६
 मंज ११७ मंज ११८
 मंज ११९ मंज १२०
 मंज १२१ मंज १२२
 मंज १२३ मंज १२४
 मंज १२५ मंज १२६
 मंज १२७ मंज १२८
 मंज १२९ मंज १३०
 मंज १३१ मंज १३२
 मंज १३३ मंज १३४
 मंज १३५ मंज १३६
 मंज १३७ मंज १३८
 मंज १३९ मंज १४०
 मंज १४१ मंज १४२
 मंज १४३ मंज १४४
 मंज १४५ मंज १४६
 मंज १४७ मंज १४८
 मंज १४९ मंज १५०
 मंज १५१ मंज १५२
 मंज १५३ मंज १५४
 मंज १५५ मंज १५६
 मंज १५७ मंज १५८
 मंज १५९ मंज १६०
 मंज १६१ मंज १६२
 मंज १६३ मंज १६४
 मंज १६५ मंज १६६
 मंज १६७ मंज १६८
 मंज १६९ मंज १७०
 मंज १७१ मंज १७२
 मंज १७३ मंज १७४
 मंज १७५ मंज १७६
 मंज १७७ मंज १७८
 मंज १७९ मंज १८०
 मंज १८१ मंज १८२
 मंज १८३ मंज १८४
 मंज १८५ मंज १८६
 मंज १८७ मंज १८८
 मंज १८९ मंज १९०
 मंज १९१ मंज १९२
 मंज १९३ मंज १९४
 मंज १९५ मंज १९६
 मंज १९७ मंज १९८
 मंज १९९ मंज २००

मंज	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०	३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०	४१	४२	४३	४४	४५	४६	४७	४८	४९	५०	५१	५२	५३	५४	५५	५६	५७	५८	५९	६०	६१	६२	६३	६४	६५	६६	६७	६८	६९	७०	७१	७२	७३	७४	७५	७६	७७	७८	७९	८०	८१	८२	८३	८४	८५	८६	८७	८८	८९	९०	९१	९२	९३	९४	९५	९६	९७	९८	९९	१००
१	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०	३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०	४१	४२	४३	४४	४५	४६	४७	४८	४९	५०	५१	५२	५३	५४	५५	५६	५७	५८	५९	६०	६१	६२	६३	६४	६५	६६	६७	६८	६९	७०	७१	७२	७३	७४	७५	७६	७७	७८	७९	८०	८१	८२	८३	८४	८५	८६	८७	८८	८९	९०	९१	९२	९३	९४	९५	९६	९७	९८	९९	१००

CC-0. Vijeshwar Panchang Jammu. Digitized by eGangotri

[illegible][illegible]

$\frac{1}{2} \cdot \frac{1}{2} = \frac{1}{4}$

श्रीमधुसूक्तसंग्रह १०७ भागसुद्धि १८ सं १०८ अ कं ही सुम पांच श्रीरूपि कुंज भिके मयतं - १३३ १३४ १३५
 विद्वत् संग्रह १००३ सं ०७ १३३ भिस् २१ १३३ मयतं उदकी प्रलेख उदकी श्रीरूपि भिस् ६ म मयतं १० मयतं १०

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

CC-0. Vijeshwar Panchang Jammu. Digitized by eGangotri

0	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	100
---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	-----



